Volume 1 Issue 7
January 2016

वाराणसी नगर निगम eNewsletter

भारत रत्न पं० मदन मोहन मालवीय जी

पं० मदन मोहन मालवीय जी का जन्म प्रयाग में, जिसे स्वतन्त्र भारत में इलाहाबाद कहा जाता है, 25 दिसम्बर 1861 को पं० ब्रजनाथ व मूनादेवी के यहाँ हुआ था। वे अपने माता-पिता से उत्पन्न कुल सात भाई बहनों में पाँचवें पुत्र थे। मध्य भारत के मालवा प्रान्त से प्रयाग आ बसे उनके पूर्वज मालवीय कहलाते थे। आगे चलकर यही जातिसूचक नाम उन्होंने भी अपना लिया। उनके पिता पण्डित ब्रजनाथजी संस्कृत भाषा के प्रकाण्ड विद्वान थे। वे श्रीमद्भागवत की कथा सुनाकर अपनी आजीविका अर्जित करते थे। महामना पंडित मदन मोहन मालवीय द्वारा सन् १९१६ में वसंत पंचमी के पुनीत दिवस पर काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना गई थी। इस विश्वविद्यालय के मूल में डॉ॰ एनी बेसेन्ट द्वारा स्थापित और संचालित सेन्ट्रल हिन्दू कॉलेज की प्रमुख भूमिका थी।

संप्रति इस विश्वविद्यालय के दो परिसर है। मुख्य परिसर (१३०० एकड़) वाराणसी में स्थित है। मुख्य परिसर में ३ संस्थान् , १४ संकाय और १२४ विभाग है। विश्वविद्यालय का दूसरा परिसर मिर्जापुर जनपद में बरकछा नामक जगह (२७०० एकड़) पर स्थित है। यह एशिया का सबसे बड़ा विश्वविद्यालय है। इसके प्रांगण में विश्वनाथ का एक विशाल मंदिर भी है। विशाल सर सुंदरलाल चिकित्सालय , गोशाला, प्रेस, बुकडिपो एवं प्रकाशन , टाउन कमेटी (स्वास्थ्य), पी.डब्ल्यू.डी., स्टेट बैंक की शाखा , पर्वतारोहण केंद्र , एन.सी.सी. प्रशिक्षण केंद्र, "हिंदू यूनिवर्सिटी" नामक डाकखाना एवं सेवायोजन कार्यालय भी विश्वविद्यालय तथा जनसामान्य की सुविधा के लिए इसमें संचालित हैं। श्री सुंदरलाल, पं॰ मदनमोहन मालवीय , डॉ॰ एस. राधाकृष्णन् (भूतपूर्व राष्ट्रपति) , डॉ॰ अमरनाथ झा , आचार्य नरेंद्रदेव , डॉ॰ रामस्वामी अय्यर , डॉ॰ त्रिगुण सेन (भूतपूर्व केंद्रीय शिक्षामंत्री) जैसे मूर्धन्य विद्वान यहाँ के कुलपति रह चुके हैं। पंडित मदन मोहन मालवीय जी की मृत्यु 12 नवम्बर, 1946 को हुआ। भारत सरकार द्वारा 24 दिसम्बर, 2014 को भारत रत्न से सम्मानित किया गया।

मुख्य संरक्षक
श्री राम गोपाल मोहले
मा0 महापौर

मुख्य संपादक
श्री श्रीहरि प्रताप शाही
नगर आयुक्त

संपादक
श्री बी.के. द्विवेदी
अपर नगर आयुक्त

संकलन
श्री संदीप श्रीवास्तव
कोआर्डिनेटर, कम्प्यूटर सेल

कम्प्यूटर डिज़ाइन
श्री अनूप कुमार वर्मा
कम्प्यूटर आपरेटर

नगर निगम वाराणसी
सिगरा शहीद उद्यान के सामने
वाराणसी 221010
Email-
mcvns1@gmail.com
nagarnigamvns@gmail.com
Website-www.nnvns.org
Phone- 0542 222 1 711
Fax- 0542 222 1 702
Control Room
Toll Free- 155304

हृदय योजना

- सड़कों का सुधार एवं मरम्मत का कार्य हेतु हृदय योजना में कुल 14 सड़कों के सुधार एवं मरम्मत कार्य हेतु रु0 7.63 करोड़ की डी0पी0आर0 तैयार कर दिनांक–12.05.2015 को स्वीकृति हेतु शहरी विकास मंत्रालय, भारत सरकार को प्रेषित किया गया है।
- ''इन्टैक'' द्वारा परीक्षण कर दिनांक–04.07.2015 को प्राप्त कराया गया। तद्नुसार 14 सड़कों हेतु पुनरिक्षित आगणन धनांक रु0 11.10 करोड़ का तैयार कर दिनांक–25.08.2015 को प्रेषित किया गया।
- **10 सड़कों हेतु रु0 7.92 करोड़ की स्वीकृति दिनांक–26.08.2015 को प्राप्त हुई**, जिसके क्रम में **दिनांक–29.09.2015 को निविदा मॉगी गई।**
- उक्त तिथि को कोई निविदा प्राप्त न होने के कारण **पुनः निविदा दिनांक–15.10.2015** को मॉगी गई।
- निविदा न प्राप्त होने के कारण **पुनः निविदा दिनांक–05.11.2015** को मॉगी गई जिसमें 10 कार्यो में से कुल 9 कार्यो हेतु निविदा प्राप्त हुई।
- प्राप्त निविदा का तकनीकी परीक्षण करने के उपरान्त दिनांक–23.11.2015 को फाइनेन्सियल बिड खोल कर सम्बन्धित ठेकेदारों को कार्य प्रारम्भ करने हेतु कार्यादेश की नोटिस जारी की गई है। कार्य प्रगति पर है।
- शेष 1 कार्य हेतु पुनः निविदा दिनांक–30.11.2015 को मॉगी गई। निविदा स्वीकृति उपरान्त अनुबन्ध हेतु ठेकेदार को नोटिस जारी।
- दिनांक 10.12.2015 को संयुक्त सचिव, भाहरी विकास मंत्रालय, भारत सरकार श्री प्रवीण प्रका ा द्वारा **जी0टी0 रोड से भैसासुर घाट वाली रोड** का निरीक्षण किया गया। उनके द्वारा बताया गया कि सड़क निर्माण के साथ–साथ सड़क के दोनो पटरी पर स्थित दीवारों के मरम्मत एवं रंगाइ पोताई का कार्य भी कराया जाय। जबकि इन्टैक द्वारा परीक्षणोंपरान्त केवल सड़क निर्माण/मरम्मत का ही प्रस्ताव भारत सरकार को भेजा गया था जिसकी स्वीकृति प्राप्त हुयी है एवं कार्य प्रगति पर है।
  - 26 अतिरिक्त सड़कों के मरम्मत का प्रस्ताव तैयार कर दिनांक–29.09.2015 को ''इटैक'' को अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रेषित किया गया।
  - ''इंटैक'' से **डी0पी0आर0 फार्मेट एवं सिटी हृदय प्लान में चयनित 20 सड़कों की सूची** उपलब्ध होने के पश्चात डी0पी0आर बनाने हेतु कन्सलटेन्ट मे0 प्लानर इंडिया, वाराणसी को कार्यादेश निर्गत किया गया।
  - कन्सलटेन्ट द्वारा दिनांक–09.12.2015 को डी0पी0आर0 तैयार कर उपलब्ध कराया गया, जिसे परीक्षण एवं अग्रिम कार्यवाही हेतु सिटी एंकर ''इंटैक'' को प्रेषित किया गया।
  - दिनांक 10.12.2015 को डी0पी0आर0 पर इन्टैक के सुझाव प्राप्त हुआ जिसे सम्मिलित करते हुए पुनः डी0पी0आर0 तैयार कराकर एवं सी0पी0डब्लू0डी0 से परीक्षण कराने के उपरान्त इन्टैक को अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रेशित कर दिया गया।
  - शेष 4 सड़कों के सुधार एवं मरम्मत का कार्य हेतु सी0पी0डब्लू0डी0 के सुझाव के अनुसार वर्तमान बिटुमिन दर से आगणन रिवाइज्ड कर सी0पी0डब्लू0डी0 से परीक्षण करा लिया गया है। अग्रिम कार्यवही हेतु 'इण्टैक' को प्रेषित कर दिया गया है।
  - वाराणसी शहर के अन्तर्गत 251 कुओं के जिर्णोद्धार का कार्य हेतु सी0एण्ड0डी0एस, यूनिट–24, उ0प्र0 जल निगम, वाराणसी को 251 कुओं की सूची दिनांक–28.12.2015 को उपलब्ध करा दिया गया है। सी0एण्ड0डी0एस0 द्वारा कुओं का सर्वे का कार्य कराया जा रहा है।
  - वाराणसी के प्रमुख तालाबों एंव कुण्डो को सीवर रहित करने का कार्य हेतु गंगा प्रदूषण नियन्त्रण इकाई, उ0प्र0 जल निगम, वाराणसी को 54 तालाबों एंव कुण्डों की सूची उपलब्ध करा दिया गया है। गंगा प्रदूषण नियन्त्रण इकाई, उ0प्र0 जल निगम, वाराणसी एवं जलकल, नगर निगम, वाराणसी द्वारा तालाबों एवं कुण्डों का सर्वे का कार्य करा लिया गया है। डी0पी0आर0 तैयार कराकर 'इंटैक' को परीक्षण हेतु प्रेषित किया जायेगा।
  - दशाश्वमेध गोदौलिया कल्चरल क्वार्टर हेतु सी0पी0डब्लू0डी0 के सुझावों के अनुसार इंटैक द्वारा डी0पी0आर0 रिवाइज्ड कर नगर निगम वाराणसी को हेतु प्रेषित किया गया है।
  - वाराणसी शहर के अन्तर्गत 100 हेरिटेज स्थलों के सौन्दर्यीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य हेतु वाराणसी अन्तर्गत 100 हेरिटेज स्थलों का चयन कर डी0पी0आर0 बनाने को जारी किया गया है। मे0 प्लानर इंडिया द्वारा सर्वे का कार्य कराकर डी0पी0आर0 तैयार कराये जाने का कार्य प्रगति पर है।

अमृत योजना

अमृत योजना भारत सरकार द्वारा 25 जून 2015 को प्रारम्भ की गई, जिसके निम्न उद्देश्य हैः–

1. प्रत्येक घर में जल संरक्षण एवं सीवर संयोजन उपलब्ध कराना।
2. शहर में हरियाली एवं पार्को का सुदृढ़ीकरण।
3. नगर के प्रदूषण को कम करने हेतु पब्लिक ट्रांसपोर्ट में सुधारात्मक कार्य जैसे– पैदल चलना एवं साइकिलिंग हेतु मार्ग का निर्माण।

कम्पोनेन्ट– इस मिशन के निम्न 05 कम्पोनेन्ट है जो निम्नवत् हैः–

1. जलापूर्ति
2. सीवरेज सुधार एवं सेप्टेज मैनेजमेन्ट
3. वर्षा जल निकासी को कम करने के उद्देश्य से स्टार्म वाटर ड्रेन।
4. अर्बन ट्रांसपोर्ट–पैदल मार्ग, नान मोटराइज पब्लिक ट्रांसपोर्ट सुविधा, पार्किंग स्थान।
5. ग्रीन स्पेस, पार्को का बनाया जाना एवं उनका उच्चीकरण किया जाना।

उपरोक्त 5 कम्पोनेन्ट में से वर्ष 2015–16 में नगर निगम, वाराणसी द्वारा मात्र जलापूर्ति, सीवरेज व्यवस्था एवं ग्रीन स्पेस पार्क हेतु SLIP तैयार कर शासन को प्रेषित किया गया, जिनका विवरण निम्नवत् हैः–

1. जलापूर्ति

भारत सरकार द्वारा जलापूर्ति व्यवस्था के लिए सर्विस लेवल बेन्च मार्क में 2015–16 में निम्नानुसार मानक निर्धारित किये गये थे। जिसके विरूद्ध वर्तमान स्टेट्स निम्नवत् हैः–

जलापूर्ति की स्थिति का मानक

क0सं0	संकेतक	शहरी विकास मंत्रालय बेंच मार्क	वर्तमान स्थिति
1	जलापूर्ति संयोजन का अच्छादन	100%	66.70%
2	प्रति व्यक्ति जलापूर्ति(एन0आर0डब्ल्यू सहित)	135 ली0प्र0व्य0प्र0दि0	206 ली0प्र0व्य0प्र0दि0
3	जल संयोजन पर मिटरिंग व्यवस्था	100%	0%
4	नान रेवेन्यू वाटर की स्थिति	20%	58%
5	आपूर्ति जल की गुणवत्ता	100%	96%
6	जलापूर्ति सेवा में कास्ट रिकवरिंग	100%	61%
7	जल मूल्य वसूली की क्षमता	90%	60%

मानको के विरूद्ध वर्तमान स्थिति में कराये जाने वाले सुधारात्मक कार्य हेतु भारत सरकार द्वारा SLIP (सर्विस लेबल इम्प्रुमेन्ट प्लान) की परिकल्पना की गयी। जिसमें सर्विसेज में सुधार करने के लिए कराये जाने वाले आवश्यक कार्यों को दर्शाया गया है। इस सुधारात्मक कार्य हेतु उ0प्र0 जल निगम द्वारा वर्तमान में जलापूर्ति व्यवस्था में सुधार हेतु कराये जा रहे निम्न योजनाओं का भी संज्ञान लिया गया है।

चालू/स्वीकृत योजनाओ की स्थिति

क0 सं0	परियोजना का नाम	योजना का नाम	राशि	समाप्ति का माह	वर्तमान स्थिति (दिसम्बर 2015)
1	जलापूर्ति योजना का पूर्नगठन, प्रायरिटि–1, फेज–1	JnNURM	139.79 करोड़	दिसम्बर 2015	95%
2	जलापूर्ति योजना का पूर्नगठन, प्रायरिटि–1, फेज–2	JnNURM	110.50 करोड़	मार्च 2017	70%
3	जलापूर्ति योजना का पूर्नगठन, प्रायरिटि–2 (ट्रान्स वरूणा)	JnNURM	268.36 करोड	मार्च 2017	60%

चूँकि जे0एन0एन0यू0आर0एम0 योजना का कार्य पूर्ण नही हुआ। इसलिए SLIP के अन्तर्गत शेष कार्यो को भी कराने का प्राविधान किया गया है। इसके साथ–साथ एन0आर0डब्लू0 जो कि 58 प्रतिशत है, को कम करने के लिए कार्य योजना का प्राविधान, जलापूर्ति में सुधार हेतु एक नग नये इनटेक वेल, 64 एम0एल0डी0 वाटर ट्रीटमेन्ट प्लान्ट का पुनरोद्धार तथा आवश्यकतानुसार पाइप लाइन बिछाने का कार्य एवं पेयजल की गुणवत्ता सुधारने के लिए आनलाइन वाटर क्वालिटी मानीटरिंग सिस्टम का प्राविधान किया गया है। इस पर निम्नानुसार व्यय होगा।

1–	एन0आर0डब्ल्यू0		
	(क) युनिवर्सल कवरेज प्राप्त करना	–	146.47 करोड़
	(ख) जलापूर्ति व्यवस्था का सृदृढ़ीकरण	–	153.53 करोड़
	योग	–	**300.00 करोड़**
2–	प्रति व्यक्ति आपूर्तित जल में बढ़ोत्तरी	–	169.00 करोड़
3–	आपूर्तित जल की गुणवत्ता	–	0.70 करोड़
	कुल योग	–	**469.70 करोड़**

2. सीवर व्यवस्था

भारत सरकार द्वारा वाराणसी नगर की सीवर व्यवस्था के लिए सर्विस लेवल बेन्च मार्क में 2015–16 में निम्नानुसार मानक निर्धारित किए गये थे। जिसके विरूद्ध वर्तमान स्टेटस निम्नवत हैः–

सीवरेज नेटवर्क की स्थिति एवं सेवा का मानक

क्र0 सं0	संकेतक	बेंच मार्क	वर्तमान सेवा का स्तर (प्रतिशत में)
1	लैटरिन का आच्छादन(व्यक्ति/समुदाय) 146763/150236	100%	97.98%
2	सीवरेज नेटवर्क सेवा का आच्छादन	100%	59.85%
3	सीवरेज एकत्र करने की क्षमता(वर्तमान सीवर लाइन की धारक क्षमता)	100%	40%
4	शोधन की क्षमता(सीवर शोधन क्षमता) 102 एम0एल0डी0/300 एम0एल0डी0	100%	35%

मानको के विरूद्ध वर्तमान स्थिति में कराये जाने वाले सुधारात्मक कार्य हेतु भारत सरकार द्वारा SLIP (सर्विस लेवल इम्प्रूवमेन्ट प्लान) की परिकल्पना की गयी। जिसमें सर्विसेज में सुधार करने के लिए कराये जाने वाले आवश्यक कार्यो को दर्शाया गया है। इस सुधारात्मक कार्य हेतु उ0प्र0 जल निगम द्वारा वर्तमान में स्वीकार्य व्यवस्था में सुधार हेतु कराये जा रहे निम्न योजनाओं का भी संज्ञान लिया गया हैः–

मिशन अवधि हेतु सीवरेज परियोजना का मास्टर प्लान

क्र0सं0	परियोजना का नाम	परियोजना का नं0	आगंणन राशि (करोड़ में)
1.	वाराणसी के ट्रान्सवरूणा क्षेत्र में सड़क के किनारे सीवेज कनेक्शन की परियोजना।	1	105.08
2.	सीवेज डिस्ट्रक्ट III में सेकेण्डरी सीवर	2	180.43
3.	सीवेज डिस्ट्रिक्ट II में सेकेण्डरी सीवर एवं वर्तमान सीवर लाइनों को बदलना/पुर्नरूद्धार	3	384.00
4.	सीवेज डिस्ट्रिक्ट I में सेकेण्डरी सीवर एवं वर्तमान सीवर लाइनों को बदलना/पुर्नरूद्धार	4	275.00
5.	रमना में 50 एम0एल0डी0 सीवेज ट्रीटमेन्ट प्लान्ट का निर्माण	5	156.56
	कुल योग		**1101.07**

3. ग्रीन स्पेस पार्क

नगर में स्थित पार्को में निम्न सुविधाओं को उपलब्ध कराया जाना परिकल्पित किया गया है:–

1. फिजिकल एक्टिविटी के लिए स्थान।
2. परिवार के लिए सुविधाएँ जैसे– बच्चों के खेलने की व्यवस्था, पिकनिक स्पाट,डस्टविन, बेंच, गार्डेन टेबुल, पाथवे, ग्रीन एरिया।
3. सामान्य सेवायें– बाउण्ड्रीवाल फिनिशिंग सहित ट्यबवेल जलापूर्ति इत्यादि।
4. पार्क का सौन्दर्यीकरण।

वर्ष 2015–16 में फिलहाल निम्न 4 पार्को का चिन्हित किया गया:–

1. चन्द्रिका नगर कालोनी पार्क, सिगरा, वाराणसी।
2. रत्नाकर पार्क, शिवाला, वाराणसीं।
3. नाटी इमली उद्यान, नाटी इमली, वाराणसी।
4. तिल भाण्डेश्वर पार्क, भेलूपुर, वाराणसी।

उपरोक्त चार पार्को में कराये जाने वाले 6 कम्पोनेंट (1.पक्का रास्ता, 2. खेलने का रास्ता, 3. बच्चों के खेलने का उपकरण, 4. प्रकाश एवं लाइट, 5. जलापूर्ति एवं फव्वारा, 6. बेंच/गार्डेन टेबल खाद्य के लिए स्थान, अर्ध पक्की झोपड़ी, फूल एवं झाडी।)सुधारात्मक कार्यो का प्राक्कलन निम्नानुसार है, जिस पर रू0 1.67 करोड़ का व्यय आयेगा।

क0 सं0	पार्क का नाम	राशि (लाख में)
1	नाटी ईमली पार्क, ईश्वर गंगी वार्ड	**43**
2.	रत्नाकर पार्क, शिवाला वार्ड	**46**
3.	चन्द्रीका नगर कालोनी पार्क, शिवपुरवा वार्ड	**36**
4.	तिलभाण्डेश्वर पार्क, रेवरी तालाब वार्ड	**42**
	योग	**167**

सिटी रैंकिंग

जनवरी 2016 में स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा सिटी रैंकिंग करायी गई, जिसके अन्तर्गत मूल्यांकन के निम्नलिखित बिन्दु हैः–

मूल्यांकन के क्षेत्र	वेटेज
• खुले में शौच मुक्त शहर और एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए रणनीति	5%
• सूचना, शिक्षा और व्यवहार परिवर्तन संचार गतिविधि	5%
• डोर टू डोर कूडा संग्रह और ढुलाई	40%
• प्रसंस्करण और ठोस कचरे के निस्तारण	20%
• सार्वजनिक और सामुदायिक शौचालय का प्रावधान	15%
• व्यक्तिगत शौचालय	15%

Ranking	City (ULB)	Service Level Status Score(1000)	Independent observation Score (500)	Citizen feedback (500)	Total Score (2000)	2014 Related rank
65	Varanasi	357	264	218	839	59